एतदर्थ मंडल (हिंदी भाषा परीक्षा), महाराष्ट्र शासन

भाषा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य,
प्रशासकीय भवन, ५ वीं मंजिल, डॉ. आंबेडकर उद्यान के निकट,
सरकारी कालोनी, बांद्रा (पूर्व), मुंबई-४०० ०५१.

निम्नश्रेणी परीक्षा

रविवार, दिनांक
(समय-- दोपहर २.०० से ४.४५ बजे तक)
[मौखिक परीक्षा का अवधि मिलाकर]
(कुल अंक - १००)

दूसरा प्रश्नपत्र--निबंध लेखन, पत्र लेखन, सार लेखन, अनुवाद इ.

सूचनाएँः-

१. प्रश्न क्र. ४ था को छोड़कर सभी प्रश्नों के उत्तर हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि में लिखें।
२. शुद्ध भाषा तथा सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

गुण

प्रश्न १ ला **अ)** निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग पच्चीस-तीस पंक्तियों में निबंध लिखिए :- **२०**

१. प्रदूषण-बडी समस्या
२. मनोरंजन के आधुनिक साधन
३. एक भूकंप-पीड़ित की आत्मकथा
४. यदि बिजली न हो तो
५. संगणक का महत्व
६. संयुक्त परिवार के गुण-दोष
७. खुशामद की कला
८. हिन्दी राष्ट्रीय एकता का सूत्र है
९. अनुशासन की समस्या
१०. वृक्षारोपण
११. आदर्श विद्यार्थी
१२. अकाल पीड़ित की आत्मकहानी
१३. दूरदर्शन एक शाप या वरदान
१४. मेरी की हुई सैर
१५. मेरा प्रिय वैज्ञानिक
१६. सिनेमा से लाभ-हानि
१७. एक बाढ़ पीड़ित की आत्मकथा
१८. मेरी अविस्मरणीय यात्रा
१९. यदि रात न होती

२०. आतंकवाद एक समस्या
२१. मेरा प्रिय खिलाडी
२२. एक फटे जूते की आत्मकथा
२३. अगर परीक्षाएँ न होती
२४. विविधता में एकता
२५. वर्तमान शिक्षा के दोष
२६. मेरी महत्वकांक्षा
२७. गणतंत्र दिवस
२८. स्वतंत्रता दिवस
२९. मेरे स्वप्नों का भारत
३०. मेरा भारत महान
३१. सहृदयता, लाभ और हानि
३२. एक मिल की आत्मकथा
३३. मेरा प्रिय नेता
३४. मेरा /मेरी प्रिय अभिनेता / अभिनेत्री
३५. एक टॅक्सी ड्रायवर की आत्मकथा
३६. एक फटे किताब की आत्मकथा
३७. एक आदर्श विद्यार्थी
३८. मेरे जीवन का लक्ष्य
३९. परेशान हूँ इन मेहमानों से
४०. पर्यावरण को बचाओ
४१. भारत में दहेज की प्रथा
४२. पंचायत राज
४३. भारत में गणतंत्र का भविष्य
४४. जनसंख्या समस्या
४५. प्लॅस्टिक पर पाबंदी उचित या अनुचित
४६. भारतीय धर्मनिरपेक्षता
४७. महिलाओं का सशक्तिकरण
४८. बेरोजगारी की समस्या एवं समाधान
४९. बालमजदूरी की समस्या
५०. हड़ताल उचित या अनुचित
५१. सूचना का अधिकार
५२. लोक सेवा आयोग
५३. एडस् की समस्या
५४. हमारे राष्ट्रीय त्यौहार
५५. यदि सूरज न उगता

५६. पुराने छाते की आत्मकथा

५७. स्वतंत्रता दिवस

अथवा

आ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर ११ से १२ पंक्तियों तक एक कहानी लिखिए :-

१) किसी गाँव में अकाल---------- दयालु जमींदार द्वारा रोज लोगों को रोटियाँ बाँटना--------- कुछ लोगों को रोटी न लेना---------- रोटियों में एक छोटी रोटी बाकी रह जाना---------- छोटी रोटी लेने में संकोच---------- एक बालिका का छोटी रोटी लेना ---------- घर जाना ---------- रोटी तोड़ना ---------- रोटी में सोने का सिक्का निकलना ---------- लड़की का जमींदार के पास जाना ------- सोने का सिक्का लौटाना ---------- जमींदार की ओर से इनाम पाना ---------- शिक्षा ।

२) एक विद्यार्थी ---------- परीक्षा में असफल रहना---------- निराश आत्महत्या करने जंगल में जाना---------- एक मकडी द्वारा पेड़ पर बार-बार चढने का प्रयत्न करना---------- विद्यार्थी का देखना----------सफलता का मार्ग मिलना---------- वापस लौटना----------ध्यान से पढ़ना----------सफल होना।

३) एक गाँव ----------पालतू हाथी----------प्रतिदिन पानी पीने तालाब पर जाना---------- रास्ते में दर्जी की दुकान----------दोनों में मित्रता----------पानी पीने जाते समय हाथी को कुछ खिलाना----------लौटते समय दर्जी को कमल पुष्प देना ---------- एक बार दर्जी के मन में शरारत का विचार ---------- हाथी की सूँड में सुई चुभाना----------लौटते समय सूँड में कीचड भर लाना---------- दर्जी पर फेंकना।

४) एक जगल ---------- खरगोश को घमंड होना ---------- दौड में जीतने के लिए चुनौती देना ----------एक कछुए का चुनौती स्वीकार करना----------रेस शुरू होना----------खरगोश का बहुत आगे निकल जाना---------- एक पेड की छाया में सुस्ताना---------- जाग कर फिर भागना---------- कछुए का रेस जीत जाना---------- सीख।

५) एक भिखारी----------गरीबी और भूख से परेशान ---------- लक्ष्मी माता से प्रार्थना-------- देवी प्रसन्न----------वरदान----------सोने की मुहरें माँगना---------- देवी की शर्त-------- मुहरे झोली में लेना----------अगर मुहरें जमीन पर गिरेंगी तो मिट्टी बनेंगी---------- झोली फैलाना---------- मुहरों का झोली में आना---------- लालच बढ़ना----------झोली का फटना----------मुहरें जमीन पर गिरकर मिट्टी बनना---------- पछतावा।

६) जंगल में तालाब----------पानी में राजहंस का निवास---------- पड़ोस में पेड पर कौआ ---------राजहंस का रंग-रूप देखकर कौए का मन ही मन जलना---------- एक शिकारी का आना----------पेड के नीचे विश्राम करना----------मुँह पर धूप आना----------राजहंस का अपने पंखों द्वारा उस पर छाया करना----------कौए का दुष्ट भाव से शिकारी के सिर पर चोट करके उड जाना ------ शिकारी का जाग जाना ----- हंस को दोषी मानकर तीर मारना ----- सीख |

७) एक कुम्हार ---- एक मुर्गी ---- सोने का अंडा देना ------ रोज एक अंडा बाजार में बेचना ------ मन में लालच आना -----मुर्गी को मार देना | नतीजा ---- सीख |

८) एक जमींदार ------- बहुत से नौकर-चाकर------खेती की आमदनी का बढ़ना------मित्र की सलाह----- "सुबह खेत की सैर करो"---- कुछ नौकर गायब------ कुछ चीजें गायब-----रोज देख भाल----- आँखे खुलना-------खुद काम में लग जाना------सभी में उत्साह----- आमदानी बढ़ना-----सीख |

९) रूई का एक व्यापारी-----गोदाम में से रुई की चोरी------ सेठजी की तरकीब--- जिन पर शक था, ऐसे लोगों को भोजन का न्यौता-----आधा भोजन होने पर व्यापारी का कहना ------"चोर के दाढ़ी में तिनका" ---- चोर का दाढ़ी पर हाथ फेरना------ पकड़ा जाना ------सीख |

१०) रमेश और सुरेश दो मित्र-----घनिष्ठ मित्रता------एक दूसरे पर गहरा विश्वास-----संकट के समय एक दूसरे की सहायता का संकल्प----- जंगल की सैर----- रास्ते में भालू का मिलना ----रमेश का पेड़ पर चढ़ना-----असमर्थ सुरेश का जमीन पर लेटना------ भालू का पास आना------मरा समझकर चला जाना----रमेश का पेड़ से उतरकर पूछना------सुरेश के उत्तर से लज्जित होना------ क्षमा माँगना |

प्र.२ रा निम्नलिखित में से किसी **एक** पत्र का प्रारूप (नमुना) तैयार कीजिए | **१४**

१. कुवरजित / कविता नलावडे, प्रताप विद्यालय, शिरपूर रोड, चोपड़ा के प्रधानाध्यापक को अपने लिए दसवी कक्षा की पाठ्यपुस्तके "रोटरी क्लब पुस्तक पेढी" से देने के लिए प्रार्थनापत्र लिखता / लिखती है |

२. वासंती / वसंत पवार, गुरूकृपा, सिताबर्डी, नागपुर से स्नेह संम्मेलन समारोह का वर्णन करती हुई / करता हुआ, अपने मित्र / सहेली को पत्र लिखती / लिखता है |

३. सुहास / सुनंदा गावडे, रामदर्शन, कालाराम चौक, नासिक से प्रधानाधिकारी, महानगरपालिका नासिक को अपने बड़े भाई के विवाह के कारण दस दिनों की छुट्टी माँगने के लिए प्रार्थना पत्र लिखता / लिखती है |

४. सुरेश / सुनयना निकम, २२० गांधीनगर, जलगाँव से अपने मुख्याध्यापक, हिंदी विद्यालय, एम.आय.डी.सी.मार्ग, कुळगाँव को अपनी बीमारी के संबंध पत्र लिखता / लिखती है |

५. वसुधा पारेख, २४० कानसईनगर, अम्बरनाथ से व्यवस्थापक, हिंदी ग्रंथालय भंडार, चर्नीरोड, मुंबई को पत्र लिखकर निम्नलिखित पुस्तकें मँगवाती है |
१. अंगरेजी-हिंदी कोश- बुल्के
२. सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना- वीरेंद्रकुमार गुप्त

६. सरीता शिंदे, भरणा नाका, खेड से एच.एस.सी. परीक्षा अच्छे नम्बरों से पास करने के लिए अपने भाई संतोष पवार, आर.ए.कालनी, गोरेगाव, मुंबई को पत्र लिखकर बधाई देती है |

७. गणेश / गौतमी चौहान, ११८ बी.डी.डी.चाल, वरली, मुंबई से अपने पिताजी के नाम पत्र लिखकर पाठशाला द्वारा आयोजित "सर्व शिक्षा अभियान प्रचार यात्रा" में सम्मिलित होने की अनुमति की माँग करता / करती है |

८. मनजीत / मनाली पेडणेकर, १४५ गीता नगर, कल्याण से अपने विभाग के व्यवस्थापक, महावितरण कंपनी के नाम पत्र लिखकर इस महीने का बिजली का बिल अधिकतम रकम का आने के कारण शिकायत करता / करती है |

९. करण / कुंती पाटील, सदाशिव पेठ, पुणे से अपने माता-पिता को पढ़ाई तथा स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देते हुए /देती हुई पत्र लिखता / लिखती है |

१०. राजेश / राजेश्वरी वर्मा, २८८ एकवीरा मार्ग, लोनावला से गजानन हिंदी ग्रंथ भंडार शनिपेठ, पुणे को पत्र लिखकर निम्न पुस्तके मँगवाता / मँगवाती है |
१. गोदान-प्रेमचंद
२. बृहत हिंदी कोश-सम्पादक कालिका प्रसाद

११. सौमित्र / सुमित्रा चटर्जी, ५२० योगदानाश्रम मार्ग, देवलाली, नासिक से अपने मित्र / सहेली को छुट्टियाँ बिताने के लिए अपने यहाँ आमंत्रित करते हुए पत्र लिखता / लिखती है |

१२. देवेंद्र जोशी, २९५ लक्ष्मी मार्ग, पुणे से अपने पिता को सेवानिवृत्त होने पर उन्हे शुभकामना देते हुए पत्र लिखता है |

१३. मोहन/मनोरमा देशपांडे, ३१० शिवाजी नगर, अमरावती से एस.एस.सी. परीक्षा में अधिकतम नम्बर मिलने संदर्भ में अपनी छोटी बहन को मार्गदर्शन पर पत्र लिखता / लिखती है |

१४. सुधाकर / सुधा ढाके, गव्हर्नमेंट कालोनी, बांदरा, मुंबई में गंदगी के कारण मच्छरों के प्रकोप की शिकायत के बारे में स्वास्थ्य अधिकारी, महानगरपालिका मुंबई को पत्र लिखता / लिखती है |

१५. शिरीष / शरयु राजे, ४१५ गडकरी रंगायतन मार्ग, ठाणे से अपने बड़े भाई के नाम पत्र लिखकर अपनी पाठशाला में मनाए गए रौप्य महोत्सवी वर्ष समारोह का वर्णन करता / करती है |

१६. कार्यालय हेतु पुस्तक मँगाने के लिए, शासकीय मध्यवर्ती ग्रंथ भांडार, चर्नीरोड, मुंबई-४००००४ को वैभव / वैशाली वर्मा, ३४० एम.आय.डी.सी.मार्ग, मुरबाड पत्र लिखता/ लिखती है |

१७. अविनाश / अर्चना पगारे, राहुरी कृषि विद्यापीठ मार्ग, राहुरी से विभागीय शिक्षणाधिकारी, महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल, पुणे को. लिपिक (क्लर्क) की नोकरी के लिए आवेदनपत्र लिखता / लिखती है |

१८. मिलिंद / मानिनी नार्वेकर, १०९१ राजभवन पथ, मलबार हिल, मुंबई से बृहन्मुंबई महानगरपालिका वार्ड अधिकारी को वार्ड संबंधित सुविधा के लिए शिकायतीपत्र लिखता / लिखती है |

१९. शरद / शारदा ठाकूर, २५ विवेकानंद नगर, मालेगाँव से आयुक्त, महानगरपालिका मालेगाँव को बीमारी के कारण १० दिन की छुट्टी माँगने के लिए प्रार्थनापत्र लिखता / लिखती है |

२०. कुवर / कामना निकम, ३५० रामटेक, नागपूर से व्यवस्थापक, निर्मल संगणक केंद्र, सिताबर्डी, नागपूर को "संगणक ऑपरेटर" की नोकरी के लिए आवेदनपत्र लिखता / लिखती है |

२१. चंदुलाल / चाँदनी शाह, ९० अंतकृपा, शिवाजीनगर, जलगाँव से वार्ड के स्वास्थ्य अधिकारी महानगरपालिका जलगाँव की अपनी कालोनी में स्वच्छता अभियान प्रारंभ करने हेतु पत्र लिखता / लिखती है |

२२. रमेशचंद्रा/रश्मी वर्मा, १२० सुभाषनगर धुलियाँ से अपने मित्र / सहेली को एस.एस.सी.परीक्षा हेतु मार्गदर्शन एवं शुभ कामना देते हुए पत्र लिखता / लिखती है |

२३. मोहन /मनाली जोशी, ५७ पुष्पांजली नगर, अमरावती से व्यवस्थापक, गीता प्रेस प्रकाशन, गोरखपुर को निम्नलिखित पुस्तकों की प्रत्येकी दस प्रतियाँ पत्र लिखकर मँगवाता /मँगवाती है |
१. तुलसी रामायण
२. संपूर्ण महाभारत
३. श्रीमद भगवत गीता

२४. अध्यक्ष, कृष्णनगर निवासी मित्र मंडल, कर्जत से, व्यवस्थापक, महावितरण कंपनी, रायगड विभागीय कार्यालय, रायगड को भारनियमन में कटौती हेतु प्रार्थना पत्र देते है |

प्र.३ रा निम्नलिखित गद्यखंड पढकर उस पर पुछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए अथवा गद्य खंड का एक-तिहाई सार लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए। **२०**

(१) डॉ.माशेलकर केवल वैज्ञानिक नहीं है, वरन एक कुशल प्रशासक और उत्तम संगठक भी हैं। वैज्ञानिकों में प्राय: न मिलने वाला, अपने वरिष्ठ और अधीनस्थ लोगों को साथ लेकर चलने का गुण आपमें है। उच्च पद और बड़े-बड़े सम्मान प्राप्त करने वाले ज्ञानभंडार माशेलकर जी सामान्य से सामान्य व्यक्ति से भी स्नेहभरा और मित्रता का व्यवहार करते हैं। आप अत्यंत नम्र, विश्वसनीय और सबसे सहज संवाद स्थापित करने वाले शास्त्रज्ञ हैं।

पॉलिमर विज्ञान और पेट्रो केमिकल्स माशेलकर जी के अध्ययन और शोध के मुख्य विषय रहे हैं। इन विषयों में आपने लगभग ढ़ाई सौ आलेख अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किए हैं। आपने इस विषय से संबंधित बीस पुस्तकों का संपादन किया है। कुछ समय तक आप पुणे की "राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला" के निदेशक थे। यहाँ उत्कृष्ट कार्य कर आपने इस संस्था को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचा दिया। आपके कार्य से प्रभावित होकर भारत सरकार ने आपकी नियुक्ति "भारतीय वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद" के महानिदेशक पद पर की। यह विश्व में अपने ढंग की एक अनूठी संस्था है। भारत की ३८ औद्योगिक अनुसंधान तथा विकास संस्थाओं से इसका संबंध है। विश्व में जिन तीन भारतीय अभियंताओं को "फेलो ऑफ रॉयल सोसायटी" का सम्मान मिला है, उनमें डॉ.रघुनाथ माशेलकर हैं।

प्रश्न :

१. डॉ.माशेलकर जी के विशेष गुण कौनसे है ? (४)
२. डॉ.माशेलकर जी ने विज्ञान के किन विषयों पर शोध कार्य किया ? (२)
३. डॉ.माशेलकर जी के उत्कृष्ट कार्य का वर्णन किजिए ? (४)
४. डॉ.माशेलकर जी ने कौन-कौन से उच्च पदो पर अपना योगदान दिया। (२)
५. डॉ.माशेलकर जी को किस विश्व सम्मान से संमानित किया गया ? (२)
६. डॉ.माशेलकर जी का कितनी संस्थाओं से संबंध था। (२)
७. डॉ.माशेलकर जीं ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कितनी पुस्तकों का संपादन किया ? (२)
८. उपरोक्त गद्य-खंड के लिए उचित शीर्षक दिजिए। (२)

(२) धर्मशाला तो प्राचीन काल की देन है और सराय तो बादशाही वक्त की यादगार है | अंग्रेजों के आने के साथ पश्चिमी सभ्यता आई, तो शहरों में होटल भी आए और इस तरह घर से बाहर ठहरने के स्थान हो गए--किसी मित्र-संबंधी का घर, धर्मशाला, सराय और होटल |

आप हों या मैं, किसी दूसरे नगर में जाने के लिए घर से चलते ही प्रश्न उठता है, ठहरें कहाँ ? किसी मित्र के घर, सराय में, धर्मशाला में या होटल में ? इसका उत्तर पाने के लिए एक और प्रश्न का उत्तर देना पडेगा कि आपकी जेब में पैसे हैं या नहीं ? यदि पैसे हों, तो आप सराय में या होटल में ठहर सकते हैं और न हों, तो फिर मित्र-संबंधी के घर या धर्मशाला में | सराय में कम और होटल में खर्च ज्यादा है, आराम भी कम-ज्यादा है | सराय में सादगी है, होटल में शान है | जो जैसा चाहे, चुनाव कर सकता है |

प्रश्न :

१. धर्मशाला और सराय किसकी देन है ? (२)
२. बाहर ठहरने का अच्छा प्रबंध कहाँ हो सकता है ? (२)
३. बाहर ठहरना किस बात पर निर्भर होता है ? (४)
४. सराय और होटल का अन्तर स्पष्ट किजिए | (४)
५. सराय और होटल में से आप किसे पसंद करेंगे और क्यों ? (४)
६. प्राचीन काल में धर्मशाला कहाँ पर होती थी ? (२)
७. उपरोक्त गद्य खंड के लिए उचित शीर्षक दिजिए | (२)

(३) संगणक में भरी गई जानकारी कोई अवांछित व्यक्ति प्राप्त न कर ले, इसके लिए संकेत-शब्द की योजना की जाती है। संकेत-शब्द को टंकित करने पर ही संगणक पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देता है, अन्यथा नहीं।

संगणक से प्रश्न पूछते समय सबसे पहले विषय से संबंधित अनुक्रमणिका को प्रस्तुत करने के लिए कहना चाहिए। फिर अनुक्रमणिका में से अपने विशिष्ट विषय की जानकारी प्रश्न पूछकर प्राप्त करनी चाहिए।

हम संगणक के परदे पर विशिष्ट जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस जानकारी को यदि कागज पर मुद्रित रूप में प्राप्त करना हो, तो हमें प्रिंटर (मुद्रक) की सहायता लेनी पड़ती है। प्रिंटर एक लंबे आकार का यंत्र होता है। यह यंत्र ' छाप दो ' आदेश मिलने पर संगणक के उत्तरों को कागज पर छापकर प्रस्तुत कर देता है।

यह स्पष्ट है कि भविष्य का युग संगणक का है । भविष्य में विद्यार्थियों को उनकी कक्षा की सारी पुस्तकों के पाठ, उन पाठों के सारे प्रश्न और उत्तर किसी फ्लापी में भरे-भराए रुप में मिल सकेंगे।

प्रश्न :

१) संकेत-शब्द की योजना किस कारण की जाती है?
२) संगणक पूछे गए प्रश्नों का उत्तर कब देता है?
३) संगणक से प्रश्न पूछने की प्रक्रिया कौनसी है?
४) प्रिंटर की जानकारी दिजिए।
५) भविष्य में संगणक का उपयोग विद्यार्थियों को कैसे होगा?
६) उपरोक्त गद्य-खंड के लिए उचित शीर्षक दिजिए।

(४) जो मैं नहीं कर सकता, वह मेरे घर का चूहा कर लेता है। जो इस देश का सामान्य आदमी नहीं कर पाता, वह इस चूहे ने मेरे साथ करके बता दिया।

इस घर में एक मोटा चूहा है। जब छोटे भाई की पत्नी थी, तब घर में खाना बनता था। इस बीच पारिवारिक दुर्घटनाओं के कारण हम लोग बाहर रहे।

इस चूहे ने अपना यह अधिकार मान लिया था कि मुझे खाना इसी घर में मिलेगा। ऐसा अधिकार आदमी भी अभी तक नहीं मान पाया, चूहे ने मान लिया है। लगभग पैंतालीस दिन घर बंद रहा। मैं जब अकेला लौटा, घर खोला, तो देखा कि चूहे ने काफी क्राकरी फर्श पर

गिराकर फोड़ डाली है। वह खाने की तलाश में भड़भड़ाता होगा। क्राकरी और डिब्बों में खाना तलाशता होगा । उसे खाना नहीं मिलता होगा,तो वह पड़ोस में कहीं कुछ खा लेता होगा और जीवित रहता होगा। पर घर उसने नहीं छोड़ा। उसने इसी को अपना घर मान लिया था।

जब मैं घर में घुसा, बिजली जलाई; तो मैंने देखा कि वह खुशी से चहकता हुआ यहाँ से वहाँ दौड़ रहा है। वह शायद समझ गया कि अब इस घर में खाना बनेगा, डिब्बे खुलेंगे और उसकी खुराक उसे मिलेगी।

प्रश्न :

(१) आम आदमी नही कर सका वह चूहा कर सकता है यह लेखक ने किस प्रकार स्पष्ट किया है।
(२) लेखक का घर बंद होने पर चूहे ने घर की दशा कैसी की थी?
(३) चूहे का घर प्रति लगाव किस प्रकार का था।
(४) चूहा किस कारण खुशी से चहकता नजर आया।
(५) लेखक के घर में कितने सदस्य थें? और वह घर बंद करकें क्यों गयें थें ?
(६) लेखक का चूहें के प्रति लगाव क्यों हुआ यह अपने शब्दोमें स्पष्ट किजिए।
(७) उपरोक्त गद्यखण्ड को उचित शीर्षक दिजिए।

(५) माधवपुर में कुछ बुद्धिमान लोग थे। नगर पर जो आफत आई उससे उन्हें बड़ी चिंता हुई। उन्होंने लोगों को समझाया, "भाइयो! जरा सोचकर तो देखो, तन तोड़कर पैसा कमाकर उसे इस तरह क्यों नाहक उड़ा देते हो? वह जादूगर बड़ा शैतान, धोखेबाज है। वह जो बेचता है वह दवा नहीं है, शराब है। उससे नशा चढ़ता है। वह तुम लोगों को ठगकर तुम्हारे पैसे छीनकर, तुम सबको गहरे गड्ढे में ढकेल रहा है। उसके पास मत जाओ।

"लेकिन उनकी बातों का किसी पर कोई असर नहीं हुआ। एक बार जो जाल में फँसे वे फँसे ही रहे । वे कहने लगे", पैसे जाएँ, चाहे जो हो, उस दवा में कैसा मजा है! वह तो चिंताओं को भगा देती है, थकावट को दूर करती है, भूख को मिटाती है, जोश पैदा करती है और फिर जरुरत ही किस बात की है?

मगर जो लोग उसके जान में नहीं फँसे थे, वे बुद्धिमानों की बातों से सचेत हो गए। वे उस व्यापारी की जादूगरी को समझ गए। वे लोग एक साथ मिलकर राजा के पास गए और उन्होंने अपनी रामकहानी सुनाई।

प्रश्न

(१) माधवपुर के बुध्दिमान लोगोंने गाँव के लोगों को किस बारे में सावधान किया?
(२) जादूगर व्यापारी लोगों को किस प्रकार ठग रहा था।
(३) जादूगर व्यापारी के चंगुल में फँसे लोगों ने बुध्दिमान लोगों की बात क्यों नही मानी?
(४) लोग अपनी राम कहानी सुना ने किस के पास गए और क्यों?
(५) "शराब" पिने के से क्या होता है।
(६) "शराब एक बुरी बला" इस संदर्भ में मत प्रदर्शन किजिए।
(७) उपरोक्त गद्यखण्ड को उचित शीर्षक दिजिए।

(६) कभी - कभी ऐनक बड़ी सहायता दे जाता है। एक बार एक बाबूसाहब थे । बड़े ठाठ बाट से रहते थे, पर अंग्रेजी नहीं जानते थे । रेल से जा रहे थे, बगल में देहाती बैठा था जो कचहरी के काम से कहीं जा रहा था। उसने अपने बस्ते में से एक कागज, जो जज का फैसला था, निकालकर बाबूसाहब को दिया और कहा, "इसमें क्या लिखा है, जरा पढ़ दीजिए"। देख रहा था कि बाबूसाहब ने नीचे का भाग ऊपर करके उलट लिया और एक मिनट के बाद जेब में हाथ इधर -उधर डालकर कहने लगे -"चश्मा घर भूल गया । पढ़ नहीं सकता"। मुझे हँसी आ गई। अगर चश्मा होता तो बाबूसाहब की शान कैसे रह जाती ?

प्रश्नः

(१) देहाती को बाबूसाहब से कौन सी उम्मिद थी ?
(२) बाबूसाहब ने अपनी शान किस प्रकार बनाई रखी ?
(३) देहाती किस काम जा रहा था।
(४) तुरंत पुछे गऐ सवाल के उत्तर देने हेतु चश्मेका कैसा प्रयोग कीया जाता है।
(५) व्याख्यान दाताओ के लिए चश्मा किस प्रकार काम आता है?
(६) लेखक नें हास्यव्यंग्य के दृष्टी से चश्मे का प्रयोग किस प्रकार किया है।
(७) उपरोक्त गद्यखण्ड को उचित शीर्षक दिजिए।

(७) जब कर्जदार लगभग एक घंटे के बाद अपने सर्वनाश पर विचार करता हुआ अदालत में आया, तो उसे यह जानकर अत्यंत आश्चर्य हुआ कि उसका सारा कर्ज चुका दिया गया है और वह अब स्वतंत्र है। तब तो उसने सारे दिन उस आदमी की खोज की जिसने बिना किसी स्वार्थ के उसके साथ इतनी भलमनसाहत बरती थी। बाद में भी वह काफी खोजबीन करता रहा। यह संदेह तो उसे था ही कि यह वही आदमी होगा जिसने पहले दिन घाट पर उससे जबरदस्ती सारे मामले की बातें खोद-खोदकर पूछी थीं। मगर कभी उसे यह पता नहीं चल सका कि उस दयालु आदमी का क्या नाम था और वह क्या करता था। न ही स्वयं विद्यासागर ने कुछ बात उसे बताई।

श्री ईश्वरचंद्र विद्यासागर इस तरह के आदमी थे कि अपने बाएँ हाथ तक को यह पता नहीं लगने देते थे कि उनके दाएँ हाथ ने क्या दिया और किसे दिया।

प्रश्नः

(१) कर्जदार को आश्चर्य क्यों हुआ ? और प्रथमत: उसने किसकी खोज की?
(२) कर्जदार को घाट पर कौन मिला था? और उसने कर्जदार को अपना परीचय क्यो नही दिया?
(३) श्री ईश्वरचंद्र विद्यासागर किस प्रकार के आदमी थे?
(४) "भलमनसाहत बरत ना" इस शब्द प्रयोग का पर्यायी सुलभ हिंदी में अर्थ स्पष्ट कर के वाक्य में प्रयोग लिखिए
(५) कर्जदार अपने बारे में किस बातपर विचार करता है?
(६) उपरोक्त गद्यखण्ड को उचित शीर्षक दिजिए।

(८) एकता का सबसे सुंदर उदाहरण पेश करनेवाले पक्षी हैं, कौए। एक कौआ अगर किसी कारणवश मर जाए, तो अनेक कौए इकट्ठे होकर काँव-काँव करने लगते हैं, मानो मृत्यु के कारणों पर विचार -विनिमय कर रहे हों। इसी प्रकार यदि कोई कौआ अन्य कौओं की दृष्टि में कोई अनुचित काम करता है, तो कौओं की सभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाता है और

दोषी कौए को समुचित दंड दिया जाता है। कौआ चालाक और चतुर तो है, किंतु कोयल से ज्यादा नहीं। कौआ जब आहार की तलाश में बाहर निकल जाता है, तो कोयल चुपके से कौए के घोंसले में अपने अंडे रखकर उड़ जाती है। किंतु कोयल को अगर कौआ देख ले, तो फिर उसकी खैर नहीं। कौआ चोंच मार-मारकर कोयल को घायल कर देता है। ऐसे में कोयल की चतुराई काम नहीं आती और उसे अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ता है।

वैसे तो कौआ पालने की हमारे यहाँ कोई प्रथा नहीं है, किंतु इस पक्षी की उपयोगिता है। फसलों को नष्ट करनेवाले कीड़े - मकोड़ों को खाकर ये किसानों की सेवा करते है । इतना ही नहीं, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी इन कीटभक्षी पक्षियों की अहम भूमिका होती है।

प्रश्नः

(१) "कौए एकता का एक उदाहरण" यह विचार स्पष्ट किजिए।
(२) कौआ और कोयल तुलना स्पष्ट किजिए।
(३) कौए की कीटभक्षी पक्षियों की भूमिका स्पष्ट किजिए।
(४) कोयल कौए के घोंसले में क्यो जाती है?
(५) कौओ की अनुचित काम हेतु समुचित दंड परंपरा क्या है।
(६) "कौए किसान मित्र" यह कल्पना स्पष्ट किजिए।
(७) उपरोक्त गद्यखण्ड को उचित शीर्षक दिजिए।

(९) हम अक्सर शिकायत किया करते हैं- समय के अभाव की, समय न मिलने की। पत्र का उत्तर न दे सका - समयाभाव के कारण; कसरत नहीं कर सकता- समय न मिलने के कारण और लिख- पढ़ नहीं पाता -समय की कमी के कारण। किंतु हम यदि सही ढंग से आत्म-विश्लेषण करें, तो हम पाएँगे कि हमारी शिकायतें अक्सर गलत होती हैं। यह हमारा आलस्य है, जो सदैव समय के अभाव की दुहाई दिया करता है। वस्तुतः कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं, जो व्यस्तता के बीच भी उन कामों को न कर सके , जिन्हें करना वह अनिवार्य मानता है।

नेहरूजी कितने व्यस्त रहते थे । भारत के प्रधानमंत्री के नाते उनपर कितना दायित्व था । कुछ दिन पहले उनके साथ काम करनेवाले एक सज्जन से बातें करने का सौभाग्य मिला। बताने लगे, "नेहरूजी के पास रोज इतनी सारी फाइलें जाती थीं, किंतु दूसरे दिन वे उन सभी को निपटाकर वापस भेज देते थे। जहाँ तक बस चलता, एक दिन की भी देर न करते । जरा सोचिए , उनकी व्यस्तता को । वे दिन भर न जाने कितने आदमियों से मुलाकात करते थे, कितनी गंभीर समस्याओं पर विचार-विमर्श करते थे; फिर भी वे व्यस्त जीवन में से कुछ समय अपने दैनिक व्यायाम और मनोरंजन के लिए भी निकाल ही लेते थे।"

प्रश्नः

(१) अक्सर किस बात की शिकायत की जाती है और क्यों?
(२) लेखकने आत्म- विश्लेषण करने को क्यों कहाँ है।
(३) नेहरूजी अपने व्यस्त जीवन में किन कामों के लिए समय निकालते थे?
(४) नेहरुजी हमेशा काम में व्यास्त रहते थे यह बात अपने शब्दों मे स्पष्ट किजिए।
(५) आदमी का सबसे बड़ा शत्रू कौन है यह स्पष्ट किजिए।
(६) उपरोक्त गद्यखण्ड को उचित शीर्षक दिजिए।

(१०) प्रकृति में अनेक प्रकार के किटाणु होते हैं। मनुष्य के शरीर में जब ये बाहरी कीटाणु पानी, हवा अथवा अन्न के माध्यम से प्रवेश करते हैं, तो ये वहीं जम जाते हैं। जिसके शरीर में प्रतिकार - शक्ति होती है, उसपर इन जीव- जंतुओं का असर नहीं होता । यदि प्रतिकार - शक्ति न हो,या कम हो; तो ये किटाणु वहीं बढ़ते हैं और मनुष्य बीमार हो जाता है। अधिकांश बीमारियों पर दवाओं से नियंत्रण किया जाता है। परंतु कुछ ऐसी बीमारियाँ हैं, जिनपर नियंत्रण करना कठिण हो जाता है। ऐसी ही एक बीमारी है, प्लेग।

संसार में बहुत अधिक मौतें प्लेग की बीमारी के कारण हुई हैं।सन १६६५ में इसी बीमारी से लंदन में हजारों लोग मर गए थे। इसे "ग्रेट प्लेग" नाम दिया गया था । सन १८९५ से ९६ के बीच प्लेग भारत में तेजी से फैला और इसमें मरनेवालों की संख्या भारत में करीब १२ लाख थी।

१८९६ से इस बीमारी के संबंध में वैज्ञानिकों ने अध्ययन शुरू किया। प्लेग के किटाणुओं का अध्ययन करने के बाद सन १८९६ में डा. हाफकिन ने प्लेग पर नियंत्रण करनेवाली दवा खोज निकाली। जनवारी १८९७ में उन्होंने परीक्षण के लिए प्लेग - प्रतिरोधक टीका स्वयं को लगवाया। उन्हें इस शोध में सफलता मिली। बाद में इस टीके का उत्पादन भी शुरू हुआ। विश्वभर से इस टीके की माँग आने लगी । डा. हाफकिन के नाम पर हाफकिन इन्स्टिट्यूट आज भी मुंबई में कार्यरत है।

प्रश्नः

(१) मनुष्य के शरीर में किटाणु कौन कौन से माध्यमो व्दारा प्रवेश करते है ?
(२) शरिरीक प्रतिकारशक्ति का महत्व विषद किजिए।
(३) "प्लेग" एक घातक बीमारी यह स्पष्ट किजिए।
(४) "प्लेग" पर नियंत्रण पाने वाली दवा किसने खोज निकाली यह विषद किजिए।
(५) डा. हाफकिन जी के महत्वपूर्ण शोध कार्य की जानकारी अपने शब्दों मे दिजिए।
(६) उपरोक्त गद्यखण्ड को उचित शीर्षक दिजिए।

(११) हम अमरनाथ की गुफा से बहूत ऊँचाई पर थे । अब हमें इस हिमसरोवर का, जो संभवत: एक किमी लंबा होगा, पार करके दूसरी तरफ नीचे गुफा तक जाना था। हम लोगों ने सोचा कि चढ़ाई खत्म होने से हमारी मुश्किलें भी खतम हो गई होंगी, इसलिए बहुत थके होने पर भी हमने यात्रा की यह मंजिल भी तय करनी शुरू की। इसमें बड़ा धोखा था, क्योंकि वहाँ दरारें बहुत- सी थीं, और ताजा गिरनेवाली बर्फ खतरनाक दरारों को ढँक देती थी। इस नई बर्फ ने ही मेरा करीब-करीब खात्मा कर दिया होता। क्योंकि मैंने ज्यों ही उसके ऊपर पैर रखा, वह धँस गई और मैं धम से नीचे एक विशाल दरार में, जो मुँह बाए हुए थी, जा गिरा । यह दरार बहुत बड़ी थी और कोई भी चीज उसमें बिलकुल नीचे पहुँचकर हजारों वर्ष बाद तक भूगर्भशास्त्रियों की खोज के लिए सुरक्षित रह सकती थी। लेकिन मेरे हाथ से रस्सी नहीं छूटी और मैं दरार की बाजू को पकड़े रहा और ऊपर खींच लिया गया। इस घटना से हम लोगों के होश तो ढीले हो गए थे, पर फिर भी हम लोग आने चलते ही गए। लेकिन दरारों की तादाद और इनकी चौड़ाई आगे जाकर और भी बढ़ गई ।इनमें कुछ को पार करने के साधन भी हमारे पास न थे, इसलिए अंत में हम लोग थके- माँदे हताश हो लौट आए और इस प्रकार अमरनाथ की गुफा अनदेखी ही रह गई।

प्रश्नः

(१) अमरनाथ गुफा की ओर जानेवाला मार्ग कैसा था।

(२) लेखक को यात्रा की मंजिल पाने में किस प्रकार की मुश्किलें आयी और उसने मुश्किलों का सामना किस प्रकार किया।

(३) लेखकने विशाल दरारों का वर्णन किस प्रकार किया है।

(४) "होश ढीले होना" इस मुहावरे का सुलभ हिंदीमे अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग किजिए।

(५) अमरनाथ की गुफा अनदेखी क्यों रह गयी ?

(६) उपरोक्त गद्यखण्ड को उचित शीर्षक दिजिए।

(१२) चंदन खड़ा हुआ और बोला, "मै आप सबका बेटा हूँ .. मैं गाँववाला हूँ | मैं आपको कोई उपदेश देने नहीं आया .. मै जानता हूँ कि यहाँ दो आदमी ऐसे भी हैं, जिनको यह सिखाया गया है कि मौका देखते ही वे मेरा सिर तोड़ दें | पर मैं तो सिर्फ एक ही बात पूछना चाहता हूँ कि आप लोग गाँव में क्यों रहते हैं, एक दूसरे के पड़ोस में क्यों रहते हैं ? अलग-अलग बहुत-बहुत दूर क्यों नहीं रहते ? आप कहेंगे कि हम पास-पास इसलिए रहते हैं कि एक दूसरे की मदद कर सकें | अब मैं पूछता हूँ कि मैकू को पंडित मातादीन ने बैल क्यों नहीं दिया ? चतुरी काका को खाद की जरूरत थी | चौधरी हरभजनसिंह ने अपने ढेर में से उन्हें खाद क्यों नहीं दी ? हम लोग गरीब किसान हैं | अगर हम एक दूसरे की मदद नहीं करेंगे, तो हमारी उन्नति कैसे होगी ? आप जानते हैं कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता | अपने उन कबूतरों की कहानी भी बच्चों को सुनाई होगी, जो एक साथ मिलकर जाल उड़ा ले गए थे | फिर हम क्यों नहीं संगठित हो सकते ? सहयोग करना आदमी का जन्मजात स्वभाव है | आज हम इसी को सहकारिता कहते हैं | सहकारिता की भावना को फिर से जगाएँ और खोए हुए सुख को वापस पा लें |"

प्रश्नः

१. चंदन ने गाँव वालों से क्या कहाँ ? (४)

२. गरीब किसानों की उन्नती किस पर निर्भर है | (२)

३. चंदन ने गाँववालों को एकता महत्त्व किस प्रकार समझाया ? (४)

४. चंदन ने गाँववालों को खोए हुए सुख को वापस पाने का कौनसा तरिका बनाया है | (३)

५. "अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता" इस कहावत का हिंदी में सरल अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग किजिए ? (३)

६. आदमी का जन्मजात स्वभाव क्या है सोदाहरण स्पष्ट किजिए | (२)

७. उपरोक्त गद्यखण्ड को उचित शीर्षक दिजिए ? (२)

(१३) पुस्तक का मानवजीवन में बहुत महत्त्व है | मानव ने सर्वप्रथम पुस्तक का आरंभ अपने अनुभूत ज्ञान को विस्मृति से बचाने के लिए किया था | विकास के आदिकाल में पत्ते, ताड़पत्र, ताम्रपत्र आदि साधन इस ज्ञानसंग्रह के सहायक रहे हैं, ऐसा पुस्तक का इतिहास स्वयं बताता है | पुस्तकें मानव को अपना अनुभव विस्तृत करने में सहायक होती हैं, साथ ही उन्होंने अपने पूर्वजों के सभी प्रकार के कृत्यों को जीवित रखने की जिम्मेदारी भी सँभाली हुई है | आज के युग में प्राचीन वीरों, धार्मिक महात्माओं, ऋषियों, नाटककारों, कवियों आदि का पता हम इन्हीं पुस्तकों के सहारे पाते हैं | पुस्तकें ही अंतरराष्ट्रीय विचारक्षेत्र में विभिन्न देशों के दृष्टिकोणों को एक आधार पर सोचने के लिए बाध्य करती हैं |

प्रश्न :

१. मानव ने पुस्तक का आरंभ किसलिए किया था ? (४)
२. पुस्तकें मानव की किस तरह सहायक है ? (४)
३. पुस्तकों से हमें किनकी जानकारी मिलती है ? (४)
४. पुस्तक का इतिहास क्या बताता है ? (२)
५. पुस्तके हमें क्या सोचने के लिए बाध्य करती है ? (२)
६. किसका पत्ता हम पुस्तकों के सहारे पाते हैं | (२)
७. उपर्युक्त गद्यखण्ड को उचित शीर्षक दिजिए ? (२)

(१४) संपादकाचार्य बाबूराव विष्णू पराड़कर का हिंदी भाषा तथा साहित्य के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान है | हिंदी पत्रकारिता के तो आप जनक ही थे | पत्रकारिता को समृद्ध करने के साथ ही उसके माध्यम से आपने राष्ट्रीय जागरण तथा चेतना का प्रसार किया | अपने मामा श्री.देउसकरजी की प्रेरणा से आप कलकत्ता गए | प्रकट रूप में तो आप पत्रकारिता का कार्य करते थे पर आपका मुख्य लक्ष्य था क्रांतिकारी दल में कार्य करना | आपका संबंध योगिराज अरविंद, वारींद्र घोष, रासबिहारी बसु आदि से था | सरदार भगतसिंह के सहयोगी श्री.राजगुरू के तो आप काशी में अभिभावक ही थे | क्रांतिकारियों के सहयोगी होने के नाते अँग्रेज सरकार ने सन १९१६ में राजद्रोह के अभियोग में गिरफ्तार कर अनेक वर्षों तक विभिन्न स्थानों में आपको नजरबंद रखा |

प्रश्न :

१. पत्रकारिता के माध्यम से श्री.बाबूराव विष्णू पराड़करजी ने कौन-सा महत्त्वपूर्ण कार्य किया ? (४)
२. श्री.पराड़करजी ने किस कार्य में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है ? (४)
३. अंग्रेज सरकार ने श्री.पराड़करजी को क्यों गिरफ्तार किया ? (४)
४. श्री.पराड़करजी का मुख्य लक्ष्य क्या था ? (२)
५. श्री.पराड़करजी का संबंध किन-किन लोगों से था ? (२)
६. अंग्रेज सरकारने श्री.पराड़करजी के साथ कैसा व्यवहार किया | (२)
७. उपरोक्त गद्यखण्ड को योग्य शीर्षक लिखिए ? (२)

(१५) मनुष्य तो मनुष्य ही है | पशु-पक्षी जहाँ जन्म लेते हैं, अपने उस देश को प्रेम करते हैं | जंगल में पैदा हुए किसी जानवर को आप पिंजड़े में बंद कर सकते हैं, उसे लाख आराम पहुँचाने की कोशिश कर सकते हैं, पर वह सुखी नहीं हो सकता | उसे तो अपने जंगल का देश ही प्यारा लगता है | उसी तरह मुक्त आकाश में उड़ने वाले पक्षी को पिंजड़े में बंद कर सब तरह का सुख पहुँचाना चाहें, तो भी वह कदापि सुखी नहीं हो सकता | उसका देश खुला आकाश, पेडों की शाखाएँ और घोंसला है | वहाँ वह धूप, वर्षा और ठंड के कष्ट सहकर भी सुखी रह सकता है |

प्रश्न :

१. पक्षी का देश कौन-सा है ? (४)
२. पक्षी सुखी कैसे हो सकता है ? (४)
३. पशु-पक्षी किस देश से प्रेम करते है ? (४)
४. पशु-पक्षी कौनसा कष्ट सहकर भी सुखी रह सकते है ? (२)
५. जंगल में पैदा जानवर सुखी क्यों न हो सकता है ? (२)
६. इस गद्यखण्ड से हमें क्या सीख मिलती है ? (२)
७. इस गद्यखण्ड को उचित शीर्षक दिजिए | (२)

प्र.४ था निम्नलिखित गद्यखंड का मराठी या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। **२०**

१. औद्योगिकरण में महाराष्ट्र का अग्रणी स्थान बनाए रखने के लिए और राज्य में सीधे विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किये जायेंगे। राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने और उसे गति प्रदान करने के लिए सरकार प्राथमिकता देगी।

श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में सुधार करने के उपाय किये जाएँगे। बाल मजदूरों का शोषण रोकने के लिए योजना कार्यान्वित की जाएगी।

राज्य सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विमुक्त जाति तथा खानाबदोश जनजातियों के कल्याण पर प्राथमिकतापूर्वक ध्यान देगी। जनजाति उपयोजना और विशेष घटक योजनाओं का सक्रिय और कड़ाई से कार्यान्वयन करके इन घटकों को सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास के भरपूर अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे ।

२. राज्य अल्पसंख्यक आयोग पुनःस्थापित करने का इस धर्मनिरपेक्ष सरकार का इरादा है। अल्पसंख्यक समाज में सुरक्षितता और अपनेपन की भावना जागृत हो इस दृष्टि से उचित नीतियों पर सरकार पहल करेगी। अल्पसंख्यक समाज की आर्थिक प्रगति होने के लिए, सरकार आवश्यक उपायों का सुझाव देने हेतु एक एजेंसी तय करेगी।

कुछ अरसे पहले स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के जो प्रशासकीय अधिकार हटा लिये गये थे वह उन संस्थाओं को पुनः बहाल किये जाएँगे। राज्य के आर्थिक विकास में सहकारिता आंदोलन की अहम भूमिका रही है, इस बात को ध्यान में रखकर उनकी स्वायतत्ता बरकरार रखने और उनमें नव चेतना फूँकने का भरसक प्रयास किया जाएगा।

३. हम, अपनी चिंता करते रहें तो कोई हमारी चिंता करने वाला नहीं है। यदि हम औरों की चिंता करें, तभी वे भी हमारी चिंता करेंगे। जो हमें जीविका देता है, उसका काम हमने निष्ठा और वफादारी से किया तो हमारी जीविका चलती रहेगी। पर काम तो दमड़ी का करें और उम्मीद करें कि पहली तारीख को अशरफी मिले, तो हम जैसा हाथी पालने वाला कौन महामूर्ख होगा ? रोज-रोज मुर्गी की हिफाजत और परवरिश करें, तो वह हमें सोने का अंडा देती रहेगी पर रोज की मेहनत के आलस से या अति लोभ से हम सभी अंडे निकालने के लिए उसका पेट चीरेंगे, तो कुछ भी हाथ नहीं लगेगा। इसलिए हमें जोर देना है, अपने दैनिक कार्य और उत्तरदायित्व पर।

४. सब कुछ उलट-पुलट मिलता, पर अलमारी या बक्से का ताला लगाने का नाम लेते ही अमित कानों पर हाथ रख लेते।

किसी तरह वह अपने को एडजस्ट कर रही थी कि ट्रेनिंग का आर्डर आ पहुँचा। पिछली बार वह अपनी गर्भावस्था के कारण छुट्टी पा गई थी, पर सरकारी आदेश को बार-बार तो नकारा नहीं जा सकता! दो साल की मोना को माँ के पास और चार साल के मुकुल को सास के पास रखकर जाते हुए उसका मन छलनी हो गया था। उसके बाद तो मुकुल जैसे दादी का ही होकर रह गया था। उसको अँग्रेजी स्कूल में दाखिला मिल गया था।

दो साल बाद मोना को भी बुला लिया गया। बेचारी लड़की गाँव में बरबाद हो

जाएगी। आभा फिर अकेली पड़ गई। जिस समय उसके बच्चों को उसकी जरूरत थी, वह दूसरे बच्चों में सिर खपाती रही।

५. जीवन जोखिम से भरा है, गुफामानव ने जब भी आग जलाई, उसने जल जाने का खतरा उठाया। जीवनयापन के आधुनिक तरीकों ने कुछ खतरों को कम किया है, पर कुछ खतरे अनेक गुना बढ़ गए हैं। ये खतरे नुकसान और शारीरिक चोट के रूप में हैं। हम सभी अपने दैनिक जीवन में जोखिम उठाते हैं। जैसे जब हम सड़क पार करते हैं, स्टोव जलाते हैं, कार में बैठते हैं, खेलते हैं, पालतू जानवरों को दुलारते हैं, घरेलू कामकाज करते हैं या केवल पेड़ के नीचे बैठे होते हैं, तो हम जोखिम उठा रहे होते हैं। इन जोखिमों में से कुछ तात्कालिक हैं, जैसे जलने का, गिरने का या अपने ऊपर कुछ गिर जाने का खतरा। कुछ खतरे ऐसे हैं, जिनके प्रभाव लंबे समय के बाद सामने आते हैं। जैसे लंबे समय तक शोर-गुल वाले पर्यावरण में रहने वाले व्यक्तियों की श्रवणशक्ति कम हो सकती है।

६. पति को उसने अपने सामने साँस तोड़ते देखा। बेटी मरी, दो-दो जवान बेटे चल बसे। कई पोतों को उसने स्वयं कफन में लपेटा। जब कभी उसका पोता अब-तब का होता, तो उसके दरवाजे पर एक गंभीर हलचल मच उठती। झाड़ने-फूँकने वाले, टोने-टोटके वाले आते और जाते। कभी-कभी डाक्टर-वैद्य के दर्शन भी हो जाते पर वह पास बैठी बच्चे को गौर से देखती रहती, देखती रहती। उसे विश्वास होता कि मौत खाली हाथ नहीं लौटेगी, कभी नहीं लौटेगी। मौत के पदचिह्न जैसे वह पहचानती थी। यही नहीं, जब-जब उसके नए पोते का जन्म होता तो वह खूब हँस-गाकर, खूब ठाट-बाट से उसका स्वागत करती और जैसे ही मंगलध्वनि का स्वर मंद पड़ता, वह मेरी माँ के पास आती और कहती, "ना जिठानी ! देख लेना, जिएगा नहीं।"

७. सरकार विकासेतर खर्च घटाने और कर का आधार बढ़ाकर, करविषयक कानून का सरलीकरण करके तथा कराधान पद्धति में सूसूत्रता लाकर राजस्व में वृद्धि करने का उपाय करेगी। इससे राज्य की कर संबंधी आय में बढ़ोत्तरी होगी और उसका ऱ्हास कम होने में मदद मिलेगी। राज्य की वर्तमान बिकट आर्थिक परिस्थिति की पृष्ठभूमि को देखते हुए, सरकारी खर्च में कटौती करना, फिजूलखर्ची को रोकना और आर्थिक अनुशासन राज्य सरकार के आर्थिक प्रबंध के त्रिसूत्र होंगे।

८. एक गड़रिया था। एक दिन वह बकरियों को लेकर जंगल में गया। उसने बकरियों को चरने के लिए छोड़ दिया। उसने खाना खाया। फिर वह सो गया।

उस दिन एक नन्हीं बकरी कहीं दूर चली गई। वहाँ एक भेड़िया उसके सामने आया। भेड़िए ने नन्ही बकरी से कहा--"मैं तुम्हें खाऊँगा। "

बकरी न डरी, न घबराई; न चीखी, न चिल्लाई। उसने भेड़िए से कहा-- तुम मुझे खा लो, लेकिन उससे पहले मेरी एक इच्छा पूरी कर दो।

भेड़िए ने पूछा-- "क्या है तुम्हारी इच्छा ?"

नन्हीं बकरी बोली--"मुझे गाने का बहुत शौक है। मैं एक गाना गाऊँगी। फिर तुम मुझे खा लेना |"

इसपर भेड़िए ने कहा--"ठीक है, गाओ। "

अब नन्हीं बकरी ने "में-में" करके गाना शुरू किया। भेड़िया आँखें मूँदकर गाना सुनने लगा। बकरी की आवाज सुनकर गड़रिया लाठी लेकर आया। नन्हीं बकरी ने अपना गाना बंद कर दिया।

९. सरकार, प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रिकीकरण को अत्यधिक महत्त्व देगी। माध्यमिक शिक्षा को व्यावसायाभिमुख करने और उच्च तथा तकनीकी शिक्षा को आधुनिक बनाने के प्रयास भी किये जायेंगे। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विमुक्त जाति तथा खानाबदोश जनजाति और अल्पसंख्यकों की शैक्षणिक जरूरतों को ध्यान में रखकर उस दिशा में विशेष ध्यान दिया जायेगा। राज्य सरकार का समग्र उद्देश्य शिक्षा को रोजगार परक बनाना होगा, ताकि राज्य में बढ़ती हुई बेरोजगारी की समस्या को कम किया जा सके । इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर उद्योग संबंधी कौशल्य के विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में सुधार करने के प्रयास किये जायेंगे। विद्यालय स्तर पर कम्प्यूटर शिक्षा को विशेष महत्त्व दिया जाएगा।

१०. देश के अन्य राज्यों की तुलना में महाराट्र में सबसे ज्यादा शहरीकरण हुआ है। शहरों में बसी जनता की आवास और नागरी सुविधा संबंधी बढ़ती जरूरतों को पूरा करने की दृष्टि से मूलभूत सुविधाओं में किये जानेवाले निवेश में बढ़ोत्तरी करने का प्रयास किया जाएगा। झोपडपट्टीवासियों का जीवनमान सुधारने के लिए प्राथमिकतापूर्वक प्रयास किया जाएगा। शहरों और औद्योगिक बस्तियों में प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है, इस समस्या की रोकथाम के लिए राज्य सरकार ठोस उपाय करेगी।

समाज की गरीब जनता मुख्यत: सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर निर्भर रहती है। इस दृष्टि से सार्वजनिक वितरण प्रणाली अधिक मजबूत करने के लिए सर्वांगीण प्रयास किये जाएँगे।

११. दोनों एक-से कपड़े पहनतीं, हँसतीं, खिलखिलातीं एक-दूसरी को बाँहों में लिए फिरती रहीं; फिर जैसा प्राय: ऐसी प्रगाढ़ मैत्री का अंत होता है, वैसा ही हुआ | अचानक दोनों में ऐसी ठनकी कि आँखों-ही-आँखों में नंगी तलवारें लपलपाने लगीं, और दो टूटे ह्दयों की दरार, मीना की विदा तक नहीं जुड़ी | झगड़े का सूत्रपात हुआ था आभूषणों को लेकर | मीना की विधवा माँ का पूरा गहना, एक सामान्य-सी पोटली में बँधा काठ के बक्स में पड़ा रहता | कई बार पुत्र के समझाने पर भी, वे बैंक में रखने को राजी नहीं हुईं तो खीझकर श्यामबिहारी ने कहना ही छोड़ दिया, पर इधर उनका अधिकांश समय तीर्थयात्रा में ही निकलने लगा था, और वे एक-एक कर अपने आभूषण, कभी बद्रीनाथ चढ़ा आतीं, कभी रामेश्वरम ! एक दिन अमला और मीना ने मंत्रणा की, जैसे भी हो, अम्मा के इस धार्मिक औदार्य के सैलाब को बाँधना ही होगा |

१२. दो महीने पहले दर्जियों को झंडे और टोपी सिलनें का ठेका दे दिया गया था | पर्चे और पोस्टरों का काम सात छापाखानों के पास था | जिन पर्चों पर माँगे और नारे छपे थे, वे सब प्रदर्शनकारियों को बाँट दिए गए थे | पुलिस की सरगर्मी भी बढ़ती जा रही थी | यातायातपुलिस ने नागरिकों की सुविधा के लिए ऐलान निकालने शुरू कर दिए कि मोर्चेवाले दिन नागरिक शहर की किन-किन सड़कों का इस्तेमाल न करें .. कि नागरिक अपनी गाड़ियाँ इत्यादि सुरक्षित स्थानों पर रखें |

मोर्चे की विशालता का अंदाज लगाकर पुलिस कमिश्नर ने पी.ए.सी.को बुला लिया था | जिन-जिन सड़कों से जुलूस को गुजरना था, उनकी इमारतों पर जगह-जगह सशस्त्र पुलिस तैनात कर दी थी | सड़कों के दोनों ओर सिर्फ वह पुलिस थी, जिसके पास डंडे थे .. ताकि प्रदर्शनकारियों को ताव न आए | यह सब इंतजाम पुलिस कमिश्नर ने खुद ही कर लिया था |

१३. भास्कराचार्य के पिता का नाम महेश्वर था | उनका जन्म कर्नाटक के बीजापुर नामक स्थान पर सन १११४ ई.में हुआ था | कुछ विद्वानों का विचार है कि वे महाराष्ट्र राज्य में सह्याद्रि की घाटियों में बसे "विज्जड़ित ग्राम" में जन्मे थे | दुसरी ओर, कुछ विद्वान उनका जन्म बीदर में होना मानते हैं | भास्कराचार्य के पिता महेश्वर स्वयं गणित, वेदों तथा शास्त्रों के आचार्य थे, अत: उन्होंने अपने पुत्र को भी गणित की अच्छी-से-अच्छी शिक्षा दी | महेश्वर भट्ट ने अपने पुत्र को प्रतिभाशाली जानकर ही उसका नाम भास्कराचार्य रखा था | भास्कराचार्य ने अपने पिता के लिखे हुए ग्रंथों को पढ़ा, किंतु उनकी रूचि गणित की ओर ही थी, अत: गणित के अध्ययन में ही लग गए तथा ज्योतिष में भी उनका विकास हुआ | भास्कराचार्य ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ "सिद्धांत शिरोमणि" की रचना ३६ वर्ष की आयु में सन ११५० ई.में की थी | भास्कराचार्य के पुत्र लक्ष्मीधर और पौत्र गंगदेव ज्योतिष और गणित के प्रकांड विद्वान हुए हैं |

१४. कृषि विकास को सर्वाधिक महत्त्व देने का और कृषि व्यवसाय लाभदायी साबित हो ऐसी व्यवस्था करने का राज्य सरकार का इरादा है | इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर बंजर और परती भूमि तथा खार भूमियों के विकासकार्य और मृदा तथा जल संरक्षण उपायों से, कृषि भूमि के कटाव को रोकने जैसे कार्य को गति प्रदान की जाएगी | किसानों के हित के लिए कृषि बीमा योजना अधिक प्रभावी बनाने की हमारी इच्छा है | किसानों को बेहतर किस्म के बीज और खाद समयपर उपलब्ध कराने के लिये संबंधित ढांचे में आवश्यक सुधार किया जायेगा। रोजगार गारंटी योजना के तहत् फलोत्पादन विकास योजना और जवाहर कूँआ योजना का राज्य में कृषि विकास के प्रभावी साधन के रूप में उपयोग किया जायेगा |

१५. राज्य सरकार, राज्य के सभी प्रदेशों में सिंचाई क्षमता बढ़ाने और कमान क्षेत्र विकास पर विशेष ध्यान देगी | सिंचाई की टपकन और छिड़काव की आधुनिक तकनीक को लोकप्रिय बनाया जायेगा | बच्छावत आयोग की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए कृष्णा घाटी परियोजना समय पर पूरी करने का प्रयास किया जायेगा | विदर्भ सिंचाई निगम, मराठवाडा गोदावरी सिंचाई निगम, तापी सिंचाई निगम और कोंकण सिंचाई निगम की परियोजनाओं को भी गति प्रदान की जायेगी | इस परियोजना से ग्रस्त लोगों के पुनर्वास पर विशेष ध्यान दिया जायेगा | राज्य सरकार का भरसक प्रयत्न होगा कि किसानों को सुनिश्चित रूप से निर्बाधित और स्थायी विद्युत आपूर्ति होती रहे |

प्र.५ वा निम्नलिखित मराठी या अंग्रेजी गद्यखण्ड का हिंदी में अनुवाद कीजिए | **२०**

१. समाजातील आरोग्यविषयक सुविधांमध्ये सुधारणा करण्याकडे नवीन शासन प्राधान्याने लक्ष पुरिवणार आहे. शक्य तितक्या अल्पावधीत संपूर्ण समाजाला आरोग्यविषयक सुविधा उपलब्ध करून देण्याचे प्रयत्न करण्यात येतील. सार्वत्रिक लसीकरण आणि पूरक पोषण आहार कार्यक्रम हाती घेऊन बालमृत्यूंचे प्रमाण कमी करण्यावर लक्ष केंद्रित करण्यात येईल. एड्स या भयंकर रोगाचे उच्चाटन करण्यासाठी प्रभावी उपाय योजण्यात येतील.

समाजाचे आरोग्य सुरक्षित पाणीपुरवठ्यावर अवलंबून असते हे लक्षात घेऊन, शासन पुढील पाच वर्षांमध्ये नागरी भागासहीत राज्यातील संपूर्ण जनतेला स्वच्छ पाणीपुरवठा करील.

२. महाराष्ट्र हे देशातील सर्वाधिक प्रमाणात नागरीकरण झालेले राज्य आहे. शहरातील जनतेची घरांची व नागरी सुविधांची वाढती गरज भागविण्याच्या दृष्टीने पायाभूत सोयींमधील गुंतवणुकीमध्ये वाढ करण्याचा प्रयत्न करण्यात येईल. झोपडपट्टीवासियांचे जीवनमान सुधारण्यासाठी प्राधान्याने प्रयत्न केले जातील. शहरी आणि औद्योगिक वस्त्यांमध्ये प्रदूषणाची

समस्या गंभीर होत चालली आहे. या समस्येला आळा घालण्याच्या दृष्टीने राज्य शासन खंबीर उपाययोजना करील.

समाजातील गरीब जनता प्रामुख्याने सार्वजनिक वितरण व्यवस्थेवर अवलंबून असते. त्या दृष्टीने सार्वजनिक वितरण व्यवस्था अधिक मजबूत करण्यासाठी सर्वतोपरी प्रयत्न करण्यात येतील.

३. अतिपरिचयाची वस्तू म्हणून आपण वृक्षांचा अनादर करतो ; पण त्यांच्यासारखा सोबती तुम्हांला मिळायचा नाही. तुम्ही केव्हाही त्यांच्याकडे जा, त्यांचे सौंदर्य तुम्हाला रिझवील व सहवास प्रिय वाटेल. सूर्य उगवण्याच्या आधी त्यांच्याकडे बघा. ध्यानस्थ मुनिजनांप्रमाणे ते पवित्र वाटतील. संध्याकाळी सूर्याची मावळती किरणे वृक्षशिखरांवर पडली म्हणजे तो तांबूस रंग ओसरेपर्यंत तेथून तुमचा पाय उचलायचा नाही. पावसाळ्यात पाने स्वच्छ धुऊन निघाली म्हणजे हरितवसना नववधूप्रमाणे झाडे प्रसन्न दिसतात. इतकेच काय, पण इंग्रजीतील एक कवी कोलरिज म्हणतो त्याप्रमाणे फांद्या पर्णहीन होऊन वीणेच्या तुटलेल्या तारांप्रमाणे दिसायला लागल्या व एकटेच पान वाऱ्याशी फडफडत असले तरी वृक्षाची शोभा कमी होत नाही.

४. मी सांगतो, "भारत 'माझा' देश आहे असं आपण म्हणालो तर लगेच आपल्या मनात आलं पाहिजे, जर भारत 'माझा' असेल, तर इतका घाणेरडा कसा ? "

एक मुलगा म्हणला, "आम्ही काय करावं ?"

मी सांगितले, "गाडगेमहाराज सांगत, बाबांनो, निदान घाणीवर माती तरी टाका. माती टाकली तर ओंगळवाणेपणा जाईल. घाणीतली खतद्रव्ये जमीन पुष्ट करतील. चराचे संडास, गॅस प्लँट यांच्या साह्याने ओंगळपणा घालवता येईल आणि 'भारत माझा देश आहे' असं म्हणताना आपली मान खाली जाणार नाही. पण.."

'पण ..' असं मी म्हणताच मुलांनी कान टवकारले ; कारण असा 'पण' शब्द पुढे कोणते तरी विरूद्ध अर्थाचे विधान येणार आहे असे सुचवतो.

५. एके दिवशी पाक आक्रमणाविरूद्ध लढण्यासाठी रूजू होण्याबद्दलची तार येऊन धडकली. सुरेंद्राची दोन महिन्यांची रजा एकदम रद्द करण्यात आली होती. तार आलेली कळताच शंकरराव एकदम बिछान्यावर उठून बसले. त्यांच्या अंगात एवढे बळ कोठून आले याचेच सर्वांना नवल वाटत होते.

"बेटा सुरेंद्र," शंकररावांनी मोठ्या खुशीत हाक मारली. सुरेंद्र जड पावलांनी त्यांच्याजवळ आला. घरातले वातावरण एकदम पालटले होते. सर्वांचे चेहरे पुन्हा चिंताग्रस्त झाले होते. आनंद वाटत होता तो फक्त शंकररावांना. सुरेंद्र जड पावलांनी येत आहे हे पाहताच ते ओरडले, "असा भेदरटासारखा काय चालतोस ? भीती वाटते युद्धाची ?"

६. विकासेतर व अनुत्पादक खर्च कमी करणे, करविषयक कायदे सुटसुटीत करणे, कर आकारणी पद्धतीत सुसूत्रता आणणे व राज्याच्या विकासासाठी आवश्यक साधनसंपत्तीचा आढावा घेणे या बाबींचाही या धोरणात समावेश असेल. त्यामुळे राज्याच्या कर उत्पन्नात भरीव वाढ होऊन त्यातील गळती थांबवण्यास मदत होईल. राज्याच्या सध्याच्या बिकट आर्थिक

परिस्थितीच्या पार्श्वभूमीवर शासकीय खर्चात काटकसर, उधळपट्टीस आळा व आर्थिक अनुशासन ही राज्य शासनाच्या आर्थिक व्यवस्थापनाची त्रिसूत्री असेल.

७. शेतीच्या विकासास सर्वाधिक महत्त्व देण्याचा आणि शेती व्यवसाय लाभदायी ठरेल अशी व्यवस्था करण्याचा राज्य शासनाचा मानस आहे. हे उद्दिष्ट समोर ठेवून पडीत व नापीक जमिनींचा तसेच खार जमिनींचा विकास करण्याच्या कामास आणि मृद व जल संधारणाचे उपाय योजून शेतजमिनीची धूप थांबविण्याच्या कामास गती देण्यात येईल. शेतकरी बांधवांच्या हितासाठी पीक विमा योजना अधिक प्रभावी करण्याची आमची इच्छा आहे. शेतकऱ्यांना दर्जेदार बियाणे व खते वेळेवर पुरविण्यासाठी संबंधित यंत्रणांमध्ये आवश्यक त्या सुधारणा करण्यात येतील. रोजगार हमी योजने अंतर्गत फळबाग विकास योजना तथा जवाहर विहिरी योजना यांचा राज्यातील कृषि विकासाचे एक प्रभावी साधन म्हणून उपयोग करून घेण्यात येईल.

८. काही वर्षांपूर्वी नाशिक शहरात घडलेला हा प्रसंग. आजही सर्वांना स्तिमित करून जाणारा आहे. ती एक काळरात्र ठरली होती. दिवसभर दमून रात्रीला विसावा घेणारे जीव गाढ झ ोपेत असता एकदम घणाण् घणाण् घंटा वाजू लागली. त्या घणाघाती आवाजाने रात्रीची शांतता दुभंगली. लोक खडबडून जागे झाले. काही खिडक्यांकडे धावले, काही घरांतून बाहेर रस्त्यावर आले. पाहतात तो काय ? समोर एका दुमजली इमारतीला प्रचंड आग लागली होती. त्या इमारतीत अनेक बिऱ्हाडे वास्तव्याला होती. त्या इमारतीत एकच हलकल्लोळ माजला होता. आगीचे लोळ इमारतीत आत आत शिरत होते आणि आतले लोक जीव मुठीत धरून बाहेर धाव घेत होते. आत अडकलेले लोक जिवाच्या आकांताने आरडाओरडा करत होते. आगीच्या ज्वाला टाळत मिळेल त्या वाटेने आपला जीव वाचवत ते रस्त्यावर येत होते. खाली चौकाच्या सोप्यात गाईगुरे बांधलेली होती. जनावरे दाव्याला हिसके मारून आपला जीव वाचवण्याचा प्रयत्न करत होती.

९. "अरेरे ! आजीबाई, या मुलांना शिकवलं, तर यांचं आयुष्य एवढं बरबाद होत नाही. यांना उद्योग शिकवले, तर ते पैसा मिळवतात, यांना रोजचे व्यवहार शिकवले तर यांचे कोठेही अडत नाही." वत्सलाने आजीला समजावत सांगितले.

दुसऱ्या दिवशी आजीबाईंना घेऊन वत्सला शाळेत आली. मुक्या मुलांची शाळा असते हे पाहून आजीला आश्चर्य वाटते. हेडफोन्स लावून बसलेली मुले, माईकमधून शिकवणाऱ्या बाई, हे सगळे आजीला नवलच वाटत होते.

शाळेतील एक बाई एका छोट्या मुलाला यंत्राच्या साह्याने गोष्ट शिकवत होत्या, हे वत्सलाने आजीला दाखवले.

आजी उत्सुकतेने बघत होत्या. बहिऱ्या मुलाच्या तोंडून बाहेर पडलेले उच्चार टिपायला त्यांचे कान सावध झाले होते आणि ते मूल बाईंसारखेच हसत हसत बोलले तेव्हा तर आजींच्या अंगभर आनंद लहरी उसळल्या.

आजी खूपच उल्हसित झाली. वत्सला त्यांना यंत्राची माहिती करून देत होती.

१०. राज्य शासन, राज्याच्या सर्व प्रदेशातील सिंचन क्षमतेत वाढ करण्याकडे आणि लाभ क्षेत्राचा विकास करण्याकडे विशेष लक्ष पुरवील. ठिबक सिंचन आणि तुषार सिंचन ही आधुनिक तंत्रे लोकप्रिय करण्यात येतील. बच्छावत आयोगाच्या शिफारशी लक्षात घेऊन, कृष्णा खोऱ्यातील प्रकल्प वेळेवर पूर्ण करण्याचे प्रयत्न करण्यात येतील. विदर्भ सिंचन महामंडळ, मराठवाडा गोदावरी सिंचन महामंडळ, तापी सिंचन महामंडळ व कोकण सिंचन महामंडळ या

महामंडळांकडील प्रकल्पांनादेखील गती देण्यात येईल. प्रकल्पग्रस्तांच्या पुनर्वसनाकडे विशेष लक्ष दिले जाईल. शेतकऱ्यांना खात्रीचा, अखंडित व स्थिर स्वरूपाचा वीज पुरवठा करण्याचा राज्य शासन सर्वतोपरी प्रयत्न करील.

११. प्राथमिक शिक्षणाचे सार्वत्रिकीकरण करण्यास शासन सर्वाधिक महत्त्व देईल. माध्यमिक शिक्षण व्यवसायाभिमुख करण्याचे आणि उच्च व तंत्र शिक्षणाचे आधुनिकीकरण करण्याचे प्रयत्न करण्यात येतील. अनुसूचित जाती, अनुसूचित जमाती, विमुक्त जाती व भटक्या जमाती आणि अल्पसंख्याक यांच्या शैक्षणिक गरजा लक्षात घेऊन, त्या बाबतीत विशेष लक्ष देण्यात येईल. राज्यातील बेरोजगारीची समस्या कमी व्हावी या दृष्टीने, शिक्षण व रोजगार यांची सांगड घालणे हे राज्य शासनाचे सर्वंकष उद्दिष्ट असेल. हे उद्दिष्ट समोर ठेवून संबंधित व्यवसाय कौशल्ये विकसित करण्याचे आणि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थांचा दर्जा सुधारण्याचे प्रयत्न केले जातील. शालेय स्तरावर संगणक शिक्षणास विशेष महत्त्व देण्यात येईल.

१२. पहिली भारतीय महिला अवकाशयात्री म्हणून कल्पनाचे नाव सगळीकडे झाले. या तिच्या यशाबद्दल तिला विचारले असता ती म्हणाली, "तुमच्या अंतर्मनात जागे ठेवलेले स्वप्न तुम्ही प्रयत्नाने सतत परिश्रम करून प्रत्यक्षात आणले, तर त्याची पूर्ती झाली ही एकच भावना मनात उरते. मी पहिली आहे, महिला अवकाशयात्री आहे ही गोष्ट माझ्या दृष्टीने तितकीशी महत्त्वाची नाही."

यानंतर नासाने पुढच्या अंतराळ मोहिमेची आखणी केली, तेव्हा डॉ.कल्पना चावलाची मोहीम-विशेषतज्ज्ञ म्हणून नेमणूक करण्यात आली. १६ जानेवारी, २००३ या दिवशी कोलंबिया यान अवकाशात झेपावते. सोळा दिवसांची मोहीम पूर्ण करून यानाने परतीच्या प्रवासाला सुरूवात केली.

१३. अडचणी, संकटे, रोग यांचे जेव्हा आपणांवर आक्रमण होते, तेव्हा ती फार मोठी किंवा असह्य वाटतात ; परंतु ती ओसरल्यावर, आपण त्यांना का घाबरलो तेच आपणांस समजत नाही. आपण घाबरतो याचे कारण आपल्याजवळ मनाची स्थिरता किंवा शांती नसते. मनाची शांती नसते याचे कारण अडचणींचे खरेखुरे स्वरूप आपणांस कळलेले नसते. जीवन म्हणजे संकटे नव्हेत, रोग नव्हेत, अडचणी नव्हेत, कारण ती असतानाही जीवन चालूच असते. मळभ आल्याने सूर्य जसा नाहीसा होत नाही, त्याचप्रमाणे रोगांनी नि संकटांनी जीवनाचे मूळ आनंदी स्वरूप नाहीसे होत नाही. आजारी व संकटग्रस्त माणसेही जेव्हा थट्टा-विनोद करतात, तेव्हा ती या आनंदमय जीवनाचा अनुभव घेत असतात. मला वाटते आपण फार विचार करून किंवा अविचार करून आपले मूळचे आनंदी स्वरूप, आनंदी जीवन विसरून बसलो आहोत.

१४. वीर वामनरावांचे पहाडी वक्तृत्व हे एक भूषणच होऊन बसले होते. जसे वामनरावांचे वक्तृत्व तसेच त्यांचे लिखाण, शुद्ध, जोरकस मराठी भाषा, विवेचनाची सुस्पष्टता, ध्येयनिष्ठ निर्भीडता व ज्वलंत वीररस हे त्यांच्या वक्तृत्वाचे गुण त्यातही आढळतील.

मराठी साहित्याचा इतिहास लिहिताना नामवंत नाटककारांच्या मालिकेतही वीर वामनरावांना मानाचे स्थान द्यावे लागेल. वीररसप्रधानता हे वामनरावांच्या नाटकाचे एक वैशिष्ट्य आणि दुसरे त्यांच्या पदांतील प्रसाद ! देवलांचा अपवाद सोडल्यास वीर वामनरावांइतकी सहज, सफाईदार, प्रासादिक नि तरीही रागदारीस अनुकूल अशी पदे लिहिणारे नाटककार विरळच !

१५. राज्य अल्पसंख्याक आयोगाची पुनःस्थापना करण्याचा राज्य शासनाचा मानस आहे. अल्पसंख्याक समाजामध्ये सुरक्षिततेची आणि आपलेपणाची भावना निर्माण व्हावी यादृष्टीने उचित ध्येयधोरणांचा हे धर्मनिरपेक्ष शासन पाठपुरावा करील. अल्पसंख्याक समाजाची आर्थिक प्रगती होण्यासाठी शासन आवश्यक त्या उपाययोजना सुचविण्याकरिता यंत्रणा निश्चित करील.

मध्यंतरीच्या काळात स्थानिक स्वराज्य संस्थांचे जे प्रशासकीय अधिकार काढून घेण्यात आले होते ते त्या संस्थांना पुन्हा बहाल करण्यात येतील. राज्याच्या आर्थिक विकासामध्ये सहकारी चळवळीचा सिंहाचा वाटा आहे, हे लक्षात घेऊन त्यांची स्वायत्तता अबाधित ठेवण्याचे आणि त्यामध्ये नवचैतन्य निर्माण करण्याचे सर्वतोपरी प्रयत्न केले जातील.

अथवा

१. The Government will also take measures to cut down non-developmental expenditure, increase the revenues by broadening the tax base, streamlining the tax laws and rationalizing the rate structure. This will help in securing better tax compliance and in minimizing leakages. Against the backdrop of the difficult financial position of the State Government, the three-point programme for financial management will be economy in the administrative expenditure, control of wasteful expenditure and financial discipline.

२. The Government proposes to give utmost importance to agricultural development to ensure that farming becomes a remunerative occupation. With this objective in view, impetus will be given to the development of waste, fallow and Khar lands and to arrest degradation of agricultural lands through soil and water conservation measures. The Government will work towards making the implementation of the Crop Insurance Scheme more effective and beneficial for the farmers. Efforts will also be made to improve the delivery mechanism to ensure timely access to quality seeds and fertilizers to the agriculturists. Employment Guarantee Scheme would be made an effective instrument for agricultural development in the State through the Horticulture Development Scheme and the Jawahar Wells Scheme.

३. Japan`s entry into the second world war and occupation of neighboring Burma intensified the war effort in the easter sector, of which Calcutta was the operational centre. There were occasional air raids on Calcutta. In 1942, the Loreto Complex of Entally was converted into make shift military hospital, and St. Mary`s school was shifted to a building on Convent Road. Close on the heels of outbreak of war came Great Bengal Famine of 1942-43. Prices started to rise. Black marketers and

moneylenders mushroomed. Human exploitation reached its Zenith.

४. Those who regard themselves as staunch Hindus, Late Gandhiji branding him as an anti-Hindu. In fact, it is Gandhiji alone, who lived by and thus preserved and enhanced the highest values of Hinduism. He led India to freedom through truth and non-violence. Both these values are the integral part of Hinduism. Violence and terrorism destroy human values and render men either cruel or timid. That is why Gandhiji advocated the path of peace and non-violence, all through his life. Terrorism is running rampant in Punjab, Assam, Kashmir and SriLanka. We must know this, that who glorified terrorism are mostly responsible for this situation.

५. I am in due receipt of your kind letter, along with the circular, dated the 13th May, 2002. But my dear bustling busybody of a big brother, please note that there are some people in Maharashtra who do not think dispassionately about the problem of the Human Rights of all human beings and who are unwilling to grant them those rights openly and voluntarily, and if their present behaviour is any indication, they are not likely to grant them those Human Rights even in the future. Please note that the Societies established by us and the books published by us are diametrically opposed to the societies founded by the above mentioned people and to the contents of the books published by them.

६. Improving the health facilities in the community would receive priority attention of the new Government. Efforts would be made to provide health care to the entire community in the shortest possible time. Focus would be on the reduction of infant mortality through universal immunization and supplementary nutrition. Effective steps will be taken to root out the dreaded spectre of AIDS.

Realizing that the health of the community is dependent on safe drinking water, the Government will provide clean drinking water to the entire population of the State including the urban population within the next five years.

७. Maharashtra is the most urbanized State in the country. For meeting the growing need for housing and civic services of the urban population, efforts will be made to increase investment in

infrastructural sectors. The Government will endeavour to improve the quality of life in the slums. It will take measures to contain the growing environmental pollution which poses a serious threat especially in the urban and industrial areas.

Efforts will be made to further strengthen the public distribution system in order to mitigate the suffering of the poor people who are dependent on the PDS for their basic nutritional requirements.

८. It is advisable to consume one banana a day along with other food items, say nutritionist.Depending on an individuals biological and physical conditions, the quantity can be increased. On needs to remember, though, that no single food or fruit can be a perfect a complete diet, says Vasudev. Banana should be eaten at least half- an hour to an hour prior to a meal. This serves two purposes. It helps in combating acidity, and also makes one feel satiated. As a result, one doesn't end up evereating during mealtime. This goes a long way in checking one/s weight", Madan adds.

९. Do not speak out your thoughts. Think carefully before you do anything. Be friendly with all, but do not make friendship with every one. When you are sure that any one is true friend, make him your friend for ever. Do not enter into a quarrel with any one. But if you do, do not be afraid; rather see that your enemy fears you. Listen to what every one says but speak little yourself except top your close-friends. Let others give their opinions but do not be too ready to give yours.

१०. The soil, topography, rainfall and climate in Maharashtra are in general not very conductive to agriculture, resulting in relatively low yields of the crops in the state as compared with those in India. Nearly 1/3 area of the state in the rain shadow region where the rains are not only scanty, but also erratic. In respect of irrigation also the state is far below the national average. The percentage of gross irrigated area to gross cropped area in the state was only 15.4 percent as compared with 14.00 percent for the country as a whole in 1996-1997. The agriculture in the state is thus largely dependent on monsoon.

११. The Government will pay special attention to the development of the irrigation potential in all the regions of the State and to Command Area Development. Modern techniques of drip and sprinkler irrigation will be further propagated. In pursuance of the recommendations of the Bachhawat Commission, efforts will be made for timely completion of the Krishna Valley Project. Projects with the Vidarbha Irrigation Corporation, Marathwada Godavari Irrigation Corporation, Tapi Irrigation Corporation and Konkan Irrigation Corporation will also be expedited. Due attention will also be given to the resettlement of project affected persons. The State Government will also strive to ensure reliable, uninterrupted and stable electricity supply to farmers.

१२. The Government will attach utmost importance to the universalisation of elementary education. Efforts will be made for the vocationalisation of secondary education and modernization of higher and technical education. Special attention would be given to improving the educational needs of the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Vimukta Jati and Nomadic Tribes and other minority communities. The overall objective of the Government would be to make education employment oriented to tackle the serious problem of unemployment in the State. With this objective in view, attempts would be made for development of relevant skills and upgradation of the Industrial Training Institutes. Special importance will be given to computer education at the school level.

१३. Tourism industry will be given a fillip by involving the private sector in creation and management of tourism infrastructure. The Government will also extent its support to sports and youth welfare activities. Vigorous efforts will be made to maintain the premier position of the State in the industrial sector. Fresh initiatives will be needed to attract foreign direct investment in the State. The government will give priority to the promotion and accelerated growth of Information Technology in the State.

१४. Measure will be taken to revise the minimum wages payable to the labourers. The Government will take steps to contain and ultimately eradicate the problem of child labour from the State.

Welfare of the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Vimukta Jati and Nomadic Tribes will receive priority attention of the Government. Social justice and ample opportunities for economic development would be made available to these sections through sincere implementation of the Tribal sub Plan and the Special Component Plan.

१५. This Secular Government proposes to revive the State Minorities Commission and adopt policies that foster a sense of safely and belonging among the minorities. The Government will also identify a suitable agency to suggest measures for the economic upliftment of the minorities.

The Government will restore to the Local Self Governing Institutions the administrative powers that had been withdrawn from them in the recent past. The cooperative movement has played a key role in the economic development of the State. The Government will therefore make all efforts to safeguard the autonomy of the cooperative institutions and to revitalize them.

प्र. ६ ठा (अ) **निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही छह शब्दों के लिए हिंदी पर्यायी शब्द लिखिए।** **(६)**

१ Science of law
२ Perfect duty
३ Original right
४ Non-alignment
५ Desire
६ True copy
७ Conveyance allowance
८ Code
९ Radio Operator
१० Obstruct
११ Net Value
१२ Sub-clause
१३ Station Master
१४ No Objection Certificate
१५ Collectorate
१६ Statement
१७ Provision
१८ Share Capital
१९ Appropriation
२० Head Constable
२१ Democracy
२२ Exchange
२३ Warranty
२४ Mortgage
२५ Balance-sheet
२६ Dividend
२७ Honorarium
२८ Allotment
२९ Disposal
३० Adjournment
३१ Contributory Provident Fund
३२ Gross Pay
३३ Forwarding Letter
३४ Monetary Loos
३५ Notification
३६ Monopoly
३७ Stock-book
३८ Purpose
३९ Stipulation
४० Failure
४१ Disagreement
४२ Family Pension Fund
४३ Factory Manager
४४ Penal Code
४५ Gate Keeper
४६ Mayor of Corporation
४७ Deposite Certificate
४८ Regularly
४९ Consolidated Fund
५० Chancellor
५१ Certificate
५२ Convention
५३ Index
५४ Civil Procedure Code
५५ Lodging House
५६ Chair Person
५७ Block Development Officer
५८ Dairy Development
५९ Medical Leave
६० Chit Fund

६१ Average due date
६२ Formal Sanction
६३ Central Drug Research Institute
६४ Industrial Establishment
६५ Stolen Property
६६ Oil seeds
६७ Historical
६८ Cultural Pearl
६९ Fault
७० Life-saving
७१ Public office
७२ Agreement in writing
७३ Small Scale Industry
७४ Account
७५ Mission
७६ Rules
७७ Market-Value
७८ Tenure
७९ Imprest Money
८० Deduction
८१ Blank Cheque
८२ Assessment
८३ Endorsement
८४ Memorandum
८५ Internal Audit
८६ Custom Duty
८७ Sales Tax
८८ Insurance Agent
८९ Octroi
९० Civil Surgeon
९१ Office Accountant
९२ Freedom fighter
९३ Free-studendship
९४ List of prices
९५ Oil-field
९६ Staff Nurse
९७ Police Hospital
९८ Sectional
९९ Compositor
१०० Vaccinator

अथवा

प्र. ६ ठा (आ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही छह शब्दों के लिए अंग्रजी पर्यायी शब्द लिखिए।

१. परिपत्र
२. पदावधि
३. निगम
४. कार्मिक विभाग
५. परिचालन
६. निवारक सेवा
७. पूर्व अनुमोदन
८. प्रभुत्व
९. बाजार मूल्य
१०. न्यायिक अभिलेख
११. कार्यशाला
१२. कार्यवाही
१३. सत्यापन
१४. विशेषाधिकार
१५. वरिष्ठता
१६. प्राथमिकता
१७. आरक्षण
१८. प्रभारी
१९. संस्तुति
२०. आद्याक्षर
२१. संकाय
२२. सदन
२३. पुलिस महानिरीक्षक
२४. अर्ध शासकीय पत्र
२५. चिकित्सा और औषधि विभाग
२६. पूंजीगत लागत
२७. उत्पाद शुल्क अधीक्षक
२८. हस्तांतरण पत्र
२९. सभापति
३०. कुलाधिपति
३१. रक्षोंपाय
३२. विधिका प्रयोजन
३३. अधिभोगी
३४. राष्ट्रिकता
३५. नुकसान
३६. सहायता अनुदान
३७. संस्मारक
३८. रेल इंजन
३९. बिल क्लर्क
४०. बजट
४१. श्रमिक संघ
४२. श्रम आयुक्त
४३. वचनभंग
४४. वन भूमि
४५. मरम्मत
४६. बाजार कीमत
४७. प्रारंभिक जांच
४८. बंजर भूमि
४९. देशी भाषा
५०. डाक मोटर सेवा
५१. डाक और तार विभाग
५२. राज्यपाल का अभिभाषण
५३. विधान मंडल
५४. दिवालिया
५५. मानद उपाधि
५६. अखिल भारतीय चिकित्सा परिषद
५७. भार्ती
५८. क्रेन-चालक
५९. क्षेत्रिय विकास
६०. खातों के अन्तरण

६१. चुंगी
६२. भारतीय कृषि अनुसंधान संस्था
६३. खादी और ग्रामोद्योग
६४. टेलिफोन
६५. दांडिक
६६. दूसरी प्रत
६७. नमक का कारखाना
६८. द्वारपाल
६९. चिड़ियाघर
७०. छात्रावास
७१. असहमति
७२. आदेश निकालना
७३. भत्ता
७४. बैंक नोट
७५. बहुसंख्या
७६. अभिदायी भविष्य निधि
७७. वाहन भत्ता
७८. सकल राशि
७९. अध्यक्ष
८०. प्रादेशिक भाषा
८१. न्यायालय फीस
८२. कंपन
८३. ऐतिहासिक महत्त्व
८४. जंगम संपत्ति
८५. जनगणना
८६. विवरणपत्रिका
८७. प्रस्ताव
८८. धमकी
८९. सत्र न्यायालय
९०. यात्री किराया
९१. प्राधिकारी
९२. प्रश्नावली
९३. अपर सचिव
९४. चिकित्सा अधिकारी
९५. मुफसिल
९६. शिक्षा मंत्रालय
९७. जल संधारण
९८. आपात कालिन योजना
९९. कक्ष अधिकारी
१००. स्वास्थ्य केंद्र

सुगोको ६.७.०९